हिंदी विभाग

MOU गतिविधि

प्रतिवेदन सत्र– 2020–21

दिग्विजय और साइंस कॉलेज दुर्ग के साथ हुआ 'एमओयू' हस्ताक्षर

परस्पर गोष्ठी में शामिल हुए हिंदी विभाग के स्टाफ और विद्यार्थी

दिनांक 13 मार्च 2021 को शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव और साइंस कॉलेज दुर्ग के बीच परस्पर सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर दोनों महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने हस्ताक्षर किया। प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम ने बताया कि यह आपसी सहमति हिंदी विभाग के साथ शैक्षणिक गतिविधियों के आदान–प्रदान के लिए हुई है। इसके तहत एक दूसरे महाविद्यालय के विद्यार्थी और प्राध्यापक परस्पर अध्ययन–अध्यापन और अनुसंधान सहित सांस्कृतिक गतिविधियों का संयुक्त रुप से आयोजन कर सकते हैं।

इसी सहमति ज्ञापन के तहत विगत 13 मार्च को दिग्विजय महाविद्यालय में दुर्ग साइंस कॉलेज के हिंदी विभाग के विद्यार्थियों के साथ विभागाध्यक्ष अभिमेष सुराना सहित प्राध्यापक डॉ. जयप्रकाश साव, श्री थानसिंह वर्मा और मैडम बलजीत कौर का दल आया था। इस अवसर पर दोनो महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने परस्पर पाठ्यक्रम तथा शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता के संबंध में चर्चा की। इससे पहले अतिथि विद्यार्थियों ने यहां के मुक्बिोध स्मारक, त्रिवेणी परिसर, सृजन संवाद और महाविद्यालय ग्रंथालय का भ्रमण भी किया।

इस अवसर पर एकदिवसीय साहित्यिक संगोष्ठी भी आयोजित की गई थी, जिसमें राजनांदगांव के साहित्यिक परिदृश्य पर स्थानीय साहित्यकार श्री गणेश शंकर शर्मा, श्री कुबेर साहू और डॉ. शंकर मुनि राय ने अपने विचार रखे। प्राचार्य डॉ. बीएन मेश्राम की अध्यक्षता में आयोजित इस संगोष्ठी में साहित्यकार श्री गणेश शंकर शर्मा कहा ने प्रस्ताव रखा कि मुक्तिबोध की तरह पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी के आवास को भी साहित्यिक स्मारक का रूप दिया जाना चाहिए। संगोष्ठी का संचालन डॉ. बीएन जागृत और आभार ज्ञापन डॉ नीलम तिवारी ने किया।

दोनो महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने परस्पर पाठ्यक्रम तथा शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता के संबंध में चर्चा की।